GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS
DEPARTMENT OF FERTILIZERS

LOK SABHA

UNSTARRED QUESTION **NO. 3760** TO BE ANSWERED **ON: 25.03.2022**

Application of Nano-Fertilizers

3760: SHRI SUBBARAYAN K.:

Will the Minister of **CHEMICALS AND FERTILIZERS** be pleased to state:

(a) whether application of Nano-Fertilizers is emerging as a promising strategy to promote plant growth and development and limit environment degradation;
(b) if so, the details thereof; and
(c) the initiative taken/being taken by the Government to encourage rational use of nano urea in the agriculture sector to address the issue of farmer's migration and help in reducing cultivation cost and doubling farmer's income?

ANSWER

MINISTER OF STATE OF CHEMICALS & FERTILIZERS
(SHRI BHAGWANTH KHUBA)

(a) & (b): Yes, Sir. Department of Agriculture & Farmers Welfare (DA&FW) has provisionally notified Nano Urea as Nano Nitrogen Fertilizers in Fertilizer Control Order, 1985.

As per the 11,000 All India Farmers field trials on 94 crops conducted by Indian Council of Agricultural Research (ICAR)-KVKs, the application of Nano Urea results into better crop productivity.

(c): Two Central Public Sector Undertaking (CPSUs) namely National Fertilizers Limited (NFL) and Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited (RCF) have also signed MoUs with IFFCO for transfer of technology for setting up nano urea plants at Nangal (Punjab) and Trombay (Maharashtra), respectively.

Department has also issued guidelines for development of entrepreneurs for drone spraying of liquid fertilizers. Use of Nano Urea is promoted through different activities such as awareness camps, webinars, nuked nataks, field demonstrations, kisan sammelans and films in regional languages etc.

****

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **3760**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 25 मार्च, 2022/4 चैत्र, 1944 (शक) को दिया जाना है।

नैनो-उर्वरक का उपयोग

3760. श्री के.सुब्बारायण:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नैनो-उर्वरक का उपयोग पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरण के क्षरण को सीमित करने के लिए एक आशाजनक रणनीति के रूप में उभर रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा किसानों के पलायन के मुद्दे को हल करने, खेती के लागत को कम करने और किसान की आय को दोगुना करने में सहायता करने के लिए कृषि क्षेत्र में नैनो यूरिया के तर्कसंगत उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए क्या पहल की गई है/ की जा रही है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(भगवंत खुबा)

(क) और (ख): जी हां। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएण्डएफडब्ल्यू) ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 में नैनो यूरिया को अनंतिम रूप से नैनो नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में अधिसूचित किया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-केवीके द्वारा 94 फसलों पर अखिल भारतीय किसानों के 11,000 खेतों के परीक्षणों के अनुसार, नैनो यूरिया के अनुप्रयोग से फसल उत्पादकता बेहतर हुई है।

(ग): दो केन्द्रीय लोक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसयू) नामत: नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) तथा राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) ने क्रमश: नंगल (पंजाब) तथा ट्राम्बे (महाराष्ट्र) में नैनो यूरिया संयंत्रों की स्थापना करने हेतु प्रौद्योगिकी के अंतरण हेतु इफको के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

विभाग ने तरल उर्वरकों का ड्रोन द्वारा छिड़काव हेतु उद्यमियों के विकास हेतु दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। नैनो यूरिया के प्रयोग का विभिन्न गतिविधियों जैसे जागरूकता शिविर, वेब सेमिनार, नुक्कड़ नाटकों, खेतों में प्रदर्शन, किसान सम्मेलन और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाता है।

****